[श्री प्रकाशवीर शास्त्री]

जब एस० पी० को पोस्ट एबालिश की गई था.....

श्री फखरुद्दीन अहमद : फ्राम दि बिगिनिंग । शुरू से ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : तो ठीक है, मैं उनकी बात को स्वीकार करता हूं ।

दूसरी बात जो मैं विशेष रूप से कहना चाहता हूं वह यह है कि आज की जो स्थिति है जैसा कि मैंने प्रारम्भ में कहा कि श्री नन्दा अगर इस बात की इस हाउस में सफाई कर पाते कि यह जो प्रशासन तंत्र पूरी तरह से वहां छिन्नभिन्न हो गया है और जिस प्रकार से वहां उन्होंने अपने स्वतन्त्र होने की घोषणा की है । एक ओर पाकिस्तान जो ताशकंद एग्रीमेंट की आड़ में आकर जिस तरह से सरकार को मोह में डाले हुए है और दूसरी ओर मिजो पहाड़ियों के बारे में जिस प्रकार से ब्राडकास्ट कर रहा है या बी० बी० सी० रेडियो जिस प्रकार से ब्राडकास्ट कर रहा है ...

इसके लिए अगर कोई संतोषजनक समाधान इस सदन को दे पाते तो मैं समझता हूं कि मुझे काम रोको प्रस्ताव यहां प्रस्तुत करने की आवश्यकता ही नहीं होती । लेकिन श्री नन्दा के उत्तर से और श्री फखरुद्दीन अहमद के उत्तर से न मुझे संतोष हुआ है और मेरा अनुमान है कि देश को ही संतोष होगा इसलिए मैं यहां चाहता हूं कि इस प्रस्ताव को उपस्थित किया जाय और इस सरकार पर निन्दा के प्रस्ताव को स्वीकार किया जाय ।

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That the House do now adjourn".

Those in favour of the motion may please say "Aye".

Some hon. Members: "Ayes".

Mr. Deputy-Speaker: Those against the motion may please say "No".

Several hon. Members: "No."

Mr. Deputy-Speaker: The "Noes" have it.

Some hon. Members: "Ayes" have it.

Mr. Deputy-Speaker: Let the lobbies be cleared. I shall again put the motion to the vote of the House. The question is:

"That the House do now adjourn".

The motion was negatived

18.44.

MESSAGE FROM THE PRESIDENT

Mr. Deputy-Speaker: I have to inform the House that the hon. Speaker has received the following message dated the 2nd March, 1966, from the President:

"I have received with great satisfaction the expression of thanks by the Members of the Lok Sabha for the Address I delivered to both the Houses of Parliament assembled together on the 14th February, 1966".

18.45 hrs.

RAILWAY BUDGET—GENERAL DISCUSSION—contd.

Mr. Deputy-Speaker: Shri A. T. Sarma may continue his speech.

Shri A. T. Sarma (Chatrapur): Mr. Deputy Speaker, Sir, I want to bring to the notice of the hon. Minister for Railways some grievances of my State.

Mr. Deputy-Speaker: The hon. Member may continue tomorrow.

18.46. hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday, March 4, 1966/Phalguna 13, 1887 (Saka).

GMGIPND—LS II—2621 (Ai) LS—24-5-66—1020.